

---

# Sanskrita Vageva Me Sharanam

---

## संस्कृत-वागेव मे शरणम्

---

### Document Information

---

Text title : Sanskrita Vageva Me Sharanam

File name : saMskRRitavAgevamesharaNam.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc\_z\_misc\_general

Transliterated by : Mansi Sharma

Proofread by : Mansi Sharma

Description/comments : From Lokasanskritam 7.2, May 1991

Latest update : April 7, 2023

Send corrections to : [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

April 8, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

—  
संस्कृत-वागेव मे शरणम्  
—

(बहादुरचन्द्रश्चापोत्कटः)

ऋषयः सिषेविवरे यां द्रष्टारो वेदमन्त्राणाम् ।  
सर्वातिशायिनी सा संस्कृतवाणी जयत्यनिशम् ॥ १ ॥

मुनयश्च भेजिरे यां वाल्मीकिव्यासकपिलाद्याः ।  
तामेव वन्दनीयां वन्देऽहं भारती भव्याम् ॥ २ ॥

बहु मेनिरेऽथ बहवः कवयो यां कालिदासाद्याः ।  
तामेव परमपूज्यां देवीं वाचं नमस्यामि ॥ ३ ॥

यस्यां सदास्ति गुप्तो भारतभूमेः सनातनो धर्मः ।  
तामेव नौमि धन्यां शेवधिभूतां गिरं दिव्याम् ॥ ४ ॥

आविश्वं तन्वाना भारतवर्षस्य संस्कृतेज्योतिः ।  
विश्वस्य भूषणं सा संस्कृतवागेव मे शरणम् ॥ ५ ॥

(कवि - एम.ए., एम.ओ.एल., पीएच. डी., संयुक्त महानिदेशकः,  
केन्द्रीय पुरातत्त्व विभाग, देहली ।)

Encoded and proofread by Mansi Sharma

---

—  
*Sanskrita Vageva Me Sharanam*

pdf was typeset on April 8, 2023

—  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)